वनों से आती खुशहाली

नवनीत कुमार गुप्ता

वनों के महत्त्व को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस घोषित किया है। इस वर्ष वानिकी दिवस की थीम समुदायिक आजीविका के लिए वन थी।

असल में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वन हम सभी के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। वनों से प्राप्त अनेक वस्तुओं का उपयोग हम करते हैं। हवा, पानी और मिट्टी जैसे जीवन के लिए अति आवश्यक तत्त्वों के विकास और स्थिरता में वनों की अहम भूमिका है। वन जीवन के लिए अति आवश्यक है क्योंकि ये महत्त्वपूर्ण संसाधनों के प्रमुख स्रोत हैं। जल, लकड़ी, ताज़ी हवा, औषधीय पौधे, जैसे असंख्य संसाधन जंगल को जीवन के लिए अति आवश्यक बनाते हैं। वन स्पंज की भांति बारिश के पानी को चूस कर भूजल स्तर में भी वृद्धि करते हैं। वन जहां एक ओर मिट्टी के बनने-बनाने की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं मिट्टी के अपरदन को रोकने में भी सक्षम होते हैं ।

वन मानव समाज की सामाजिक, आर्थिक एवं पारितांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। वन समुदाय को पोषित करने के लिए आवश्यक होने के साथ ही उन्हें एकता के सूत्र में बांधने में भी सहायक होते हैं। हमारे देश में अनेक त्यौहारों पर परिवार व समाज के विकास की चाह में वृक्षों को पूजा जाता है। सदियों से आदिवासियों के लिए वन उनके घर, रोज़गार और जीवन के अभिन्न अंग बने हुए हैं। भारत की करीब 27 प्रतिशत जनसंख्या अपनी जीविका के लिए वनों पर निर्भर करती है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे हरे-भरे बहुमूल्य वनों का क्षेत्रफल सिकुड़ता जा रहा है। आज भारत में वनों का फैलाव केवल 23.81 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र तक सिमट गया है। इसलिए वनों को बनाए रखने के लिए उनका संरक्षण करना होगा।

वन पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के आधार स्तंभ हैं। वायुमंडल का संतुलन बनाए रखने के अलावा वन विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को आश्रय प्रदान करते हैं। इस प्रकार वन जैव विविधता के संरक्षक भी हैं। धरती पर जीवन के भरण-पोषण के लिए वन अति महत्त्वपूर्ण हैं। हमारे पूर्वज वनों की महत्ता को बखूबी पहचानते थे तभी उन्होंने वनों को देवतुल्य माना था। आज भी देश के अनेक इलाकों में देव-वनों की हरियाली बनी हुई है। ऐसे वनों में कटाई एवं पशुओं की चराई पर प्रतिबंध होता था ताकि वह सुरक्षित रह सके।

आर्थिक स्रोत के अलावा सुंदरता के प्रतीक हरे-भरे वन सभी का मन मोह लेते हैं। वनों में फैली प्रकृति की सुंदरता मन को उल्लास और आनंद से भर देती है। इसीलिए आदिकाल से वनों का सामाजिक मूल्यों से भी गहरा रिश्ता रहा है। वन हमारी सभ्यता और संस्कृति से करीब से जुड़े हैं। इसीलिए भारत के कई राज्यों में वन महोत्सव मनाया जाता है। वनों से जुड़े अनेक त्यौहार और उत्सव मानवीय समाज और वनों के मधुर सम्बंधों का एहसास कराते हैं।

पिछले कुछ दशकों के दौरान तेज़ी से बदलते रहन-सहन एवं औद्योगिकीकरण के कारण वनों पर दबाव बढ़ा है। वन संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता और उनके अंधाधुंध उपयोग ने विश्व के कई वन क्षेत्रों का सफाया कर दिया है। आज पूरी दुनिया इस बात को समझ चुकी है कि वनों पर तरह-तरह के खतरे मंडरा रहे हैं। पिछले 100 सालों की तुलना में आज वनों का प्रतिशत बहुत कम रह गया है। वनों का सफाया करने में तो मुख्यतः मनुष्य का ही हाथ है। एक ओर जहां विलासिता सम्बंधी मांगों की पूर्ति के लिए वनों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर बढ़ता प्रदूषण, गर्माती धरती जैसे अन्य कारक वनों के लिए एक गंभीर खतरा बनकर उभर रहे हैं। आज आधुनिक विकास के नाम पर हो रहा वनों का सफाया भविष्य में अनेक प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकता है। वनों के गायब होने से बारिश में कमी आएगी, रेगिस्तानीकरण बढ़ेगा और जैव विविधता भी कम होने लगेगी। आर्थिक प्रगति को भी वनों के नष्ट होने से धक्का लगेगा।

आधुनिक समय में वन संरक्षण पृथ्वी पर जीवन को

बनाए रखने के लिए प्राथमिक आवश्यकता है क्योंकि उपजाऊ मिट्टी का कटाव, वर्षा में कमी, पर्यावरण प्रदूषण, प्राकृतिक आपदाओं एवं बढ़ते वैश्विक तापमान की समस्या से पूरा विश्व प्रभावित हो रहा है। वनों को राजस्व कमाने के नज़रिए से न देख कर एक जीवित इकाई के रूप में देखने, समझने व उपयोग करने की आवश्यकता है। इसलिए वनों के संरक्षण के लिए नियंत्रित एवं आधुनिक तकनीक द्वारा कटाई, वनों के आग से बचाव सम्बंधी नीतियों का उचित क्रियान्वयन एवं इसके अलावा उद्योगों, खेती एवं आवास के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई को रोकना आवश्यक हो गया है। साथ ही वृहद स्तर पर वृक्षारोपण करने एवं रोपित किए गए पौधों को बढ़ने तक सुरक्षित रखने की ज़िम्मेदारी प्रत्येक व्यक्ति को उठानी होगी। वनों के प्रति संरक्षणवादी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है ताकि ये समृद्ध संसाधन विकास की कहानी भी लिखते रहें और हरे-भरे रहकर सदैव सौंदर्य बोध का माध्यम भी बने रहें। ***(स्रोत फीचर्स)***